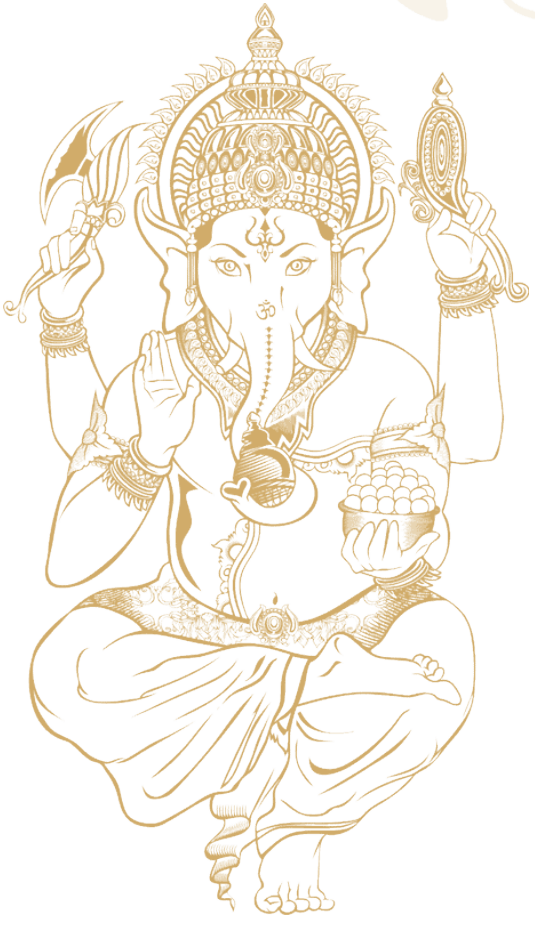

Mr.Archna gupta

09 Jun 1954

11:37 AM

Sitapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120578705

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/06/1954**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:37:00 घंटे**
इष्ट	15:52:39 घटी
स्थान	**Sitapur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	80:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:30:28 घंटे
वेलान्तर	00:01:01 घंटे
साम्पातिक काल	04:38:46 घंटे
सूर्योदय	05:15:56 घंटे
सूर्यास्त	18:55:27 घंटे
दिनमान	13:39:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:38:57 वृष
लग्न के अंश	18:26:50 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:26:50	324:02:03	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			वृष	24:38:57	00:57:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	04:20:29	12:01:05	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		धनु	13:33:18	00:12:15	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	18:37:42	00:58:02	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	10:17:55	00:13:24	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	26:43:22	01:11:34	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		तुला	10:01:04	00:02:33	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		धनु	21:52:52	00:01:28	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	21:52:52	00:01:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	नीच राशि
हर्ष			मिथु	27:57:38	00:03:12	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
नेप	व		तुला	00:14:14	00:00:48	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
प्लूटो			कर्क	29:36:08	00:00:58	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
दशम भाव			वृष	18:01:34	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:13:30

लग्न-चलित

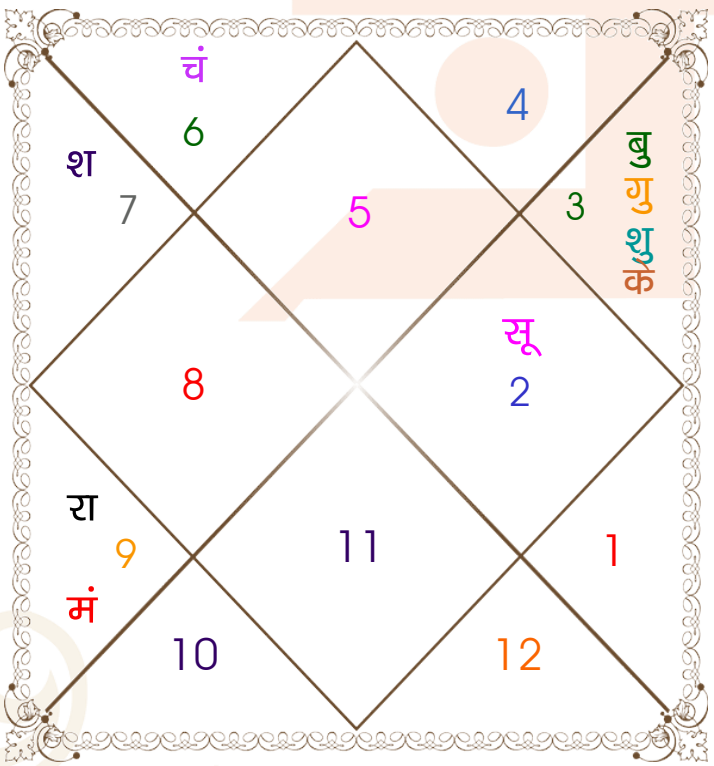

चन्द्र कुंडली

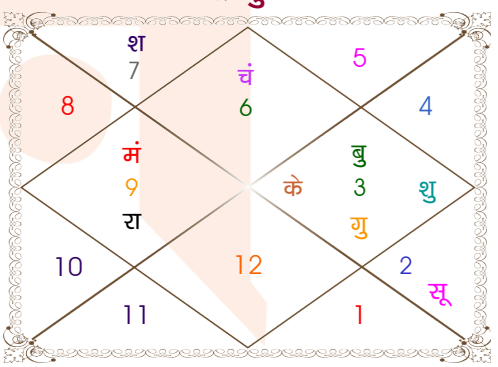

नवमांश कुंडली

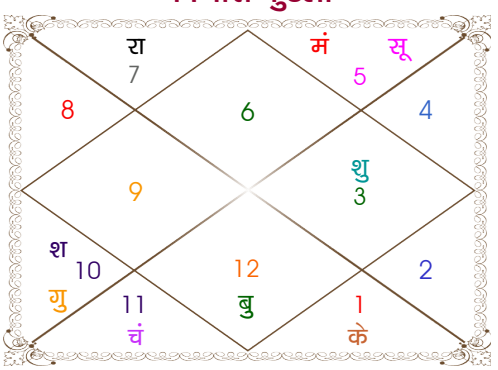

Shiv Kripa Jyotish Sansthan
Lucknow
7007416695
shivkripajyotishsansthan@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 6 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/06/1954		25/12/1956		26/12/1966		25/12/1973		26/12/1991	
25/12/1956		26/12/1966		25/12/1973		26/12/1991		26/12/2007	
	00/00/0000	चंद्र	25/10/1957	मंगल	24/05/1967	राहु	06/09/1976	गुरु	12/02/1994
	00/00/0000	मंगल	26/05/1958	राहु	10/06/1968	गुरु	31/01/1979	शनि	25/08/1996
	00/00/0000	राहु	25/11/1959	गुरु	17/05/1969	शनि	07/12/1981	बुध	01/12/1998
	00/00/0000	गुरु	26/03/1961	शनि	26/06/1970	बुध	25/06/1984	केतु	07/11/1999
	09/06/1954	शनि	26/10/1962	बुध	23/06/1971	केतु	14/07/1985	शुक्र	08/07/2002
शनि	13/10/1954	बुध	26/03/1964	केतु	19/11/1971	शुक्र	14/07/1988	सूर्य	26/04/2003
बुध	20/08/1955	केतु	25/10/1964	शुक्र	18/01/1973	सूर्य	07/06/1989	चंद्र	25/08/2004
केतु	26/12/1955	शुक्र	26/06/1966	सूर्य	26/05/1973	चंद्र	07/12/1990	मंगल	01/08/2005
शुक्र	25/12/1956	सूर्य	26/12/1966	चंद्र	25/12/1973	मंगल	26/12/1991	राहु	26/12/2007

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/12/2007		26/12/2026		26/12/2043		26/12/2050		26/12/2070	
26/12/2026		26/12/2043		26/12/2050		26/12/2070		00/00/0000	
शनि	29/12/2010	बुध	23/05/2029	केतु	23/05/2044	शुक्र	26/04/2054	सूर्य	14/04/2071
बुध	07/09/2013	केतु	20/05/2030	शुक्र	23/07/2045	सूर्य	26/04/2055	चंद्र	14/10/2071
केतु	17/10/2014	शुक्र	20/03/2033	सूर्य	28/11/2045	चंद्र	25/12/2056	मंगल	19/02/2072
शुक्र	16/12/2017	सूर्य	25/01/2034	चंद्र	29/06/2046	मंगल	24/02/2058	राहु	12/01/2073
सूर्य	28/11/2018	चंद्र	26/06/2035	मंगल	25/11/2046	राहु	24/02/2061	गुरु	31/10/2073
चंद्र	28/06/2020	मंगल	22/06/2036	राहु	14/12/2047	गुरु	26/10/2063	शनि	09/06/2074
मंगल	07/08/2021	राहु	10/01/2039	गुरु	19/11/2048	शनि	26/12/2066		00/00/0000
राहु	13/06/2024	गुरु	17/04/2041	शनि	28/12/2049	बुध	25/10/2069		00/00/0000
गुरु	26/12/2026	शनि	26/12/2043	बुध	26/12/2050	केतु	26/12/2070		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।